तू जिहने मर्जी दुःख दे दे

तू जिहने मर्जी दुःख दे दे,
दुःख सेहन दी आद्वत पे गई है,
मेरे सैयां तनु की कहना,
चुप रेहन दी आद्वत पे गई है,

साढ़े चेहरे उते लिखियाँ ने साढ़े दिल उते जो बीतिया ने,
असी भूलना चाहे भुलदे नहीं साढ़े नाल जो जो बिटियां ने,
साहनु मेले चँगे लगदे नहीं वख रेहन दी आद्वत पे गई है,
तू जिहने मर्जी दुःख दे दे,

असी लिख लिख चिठियाँ हार गए असी लब लब तनु हार गए,
की दसिये सैयां दोष मेरे साहनु तेरे विशोदे मार गए,
हूँ हस्सा चंगा लगदा नहीं साहनु रोन दी आद्वत पे गई है,
तू जिहने मर्जी दुःख दे दे

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4709/title/tu-jihne-marji-dukh-de-de-dukh-sehan-di-addat-pae-gai-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |